गृह मंत्री (श्री चरण सिंह): (क) रिकार्डों से यह प्रकट नहीं होता कि भूतपूर्व रक्षा मंत्री श्री बंसीलाल के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिये एक जांच आयोग की नियुक्ति हेतु वर्ष 1975–76 में संसद के किसी सदस्य द्वारा राष्ट्रपति से कोई मांग की गई थी।

(ख) तथा (ग). प्रश्न नहीं उठता।

श्री धन्ना सिंह गुलशन : अध्यक्ष महोदय, मैं आप की आज्ञा से यह पूछना चाहूंगा कि यदि 1975–76 में नहीं तो क्या इस से पहले भी संसद के सौ सदस्यों ने अपने दस्तखत करके राष्ट्रपति से यह मांग नहीं की थी कि भूतपूर्व रक्षा मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के बारे में एक जांच आयोग नियुक्त किया जाये ? अगर 1975–76 में नहीं तो इस के पूर्व तो सदस्यों ने यह दरख्वास्त दी थी। क्या आप को इस के बारे में मालूम है ?

चौ० चरण सिंह : यह सवाल 1975–76 से संबंध रखता था और मैंने जवाब दे दिया है। मैंने सुना है—सुना ही कह सकता हूं—कि 1972 और 1973 में इस प्रकार की एक शिकायत की गई थी, मैमोरेंडम आया था और आपकी इजाजत हो तो मैं कहना चाहता हूं कि एक कमिशन बैठ गया है उस में सभी तरह की चीजें आ सकती है और उसका सवाल भी वहां उठाया जा सकता है और तथ्य जो कुछ भी मेरे मित्र के पास हों, जो भी शिकायतें उन के खिलाफ हों उन को वह कमिशन के पास भेज सकते हैं।

श्री धन्ना सिंह गुलशन : पहले जो शिकायते आ चुकी हैं उन शिकायतों को देखा जायगा या नहीं ?

चौ० चरण सिंह : जितनी भी शिकायतें अब तक भूतपूर्व रक्षा मंत्री के खिलाफ थी उन को देखते हुए व्यापक टर्म्ज आफ रेफ्रेंस बना करके हमने एक कमिशन नियुक्त कर दिया। उस के पास ही सब चीजें जायेंगी। मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि मेरे मित्र क्या चाहते हैं?

Enquiry into Coal India Ltd.

*252. SHRI K. A. RAJAN: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal under consideration to make a thorough enquiry into the economy of the Coal India Ltd.; and

(b) if so, broad outlines thereof?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) and (b). The Government has no such proposal under consideration. However the Government is keeping under constant review the performance of the company.

SHRI K. A. RAJAN: In spite of allowing repeated increases in the prices of various grades of coal in 1974-75, the CIL has incurred losses to the extent of hundred crores of rupees while the other private agencies are running on marginal profit. From this, I find that there is something wrong somewhere in the management of this very important public sector undertaking. I want to know whether the Minister will examine the working of this public sector undertaking.

SHRI P. RAMACHANDRAN: Regarding the working of this public sector undertaking, a lot of expenditure has to be incurred because of the wage rise and also other factors that come in the cost of production and the price of coal has not been increased keeping pace with the cost of production. That is one of the constraints in the working of the Coal India Ltd. All these things are being examined at various

stages and suitable action will be taken to bring down the losses of the company.

SHRI K. A. RAJAN: I want to impress upon the Minister that he should not be misled by his officials. It is not because of the factors that the Minister has mentioned that the Company incurs losses but it is because of mis-management and not working properly of the whole company.

SHRI P. RAMACHANDRAN: Government will go into the working of the Company and we will keep a constant watch over its working.

कचौरा घाट तथा बटेश्वर में यमुना नदी पर पुलों का निर्माण

*253. **श्री अर्जुन सिंह भदौरिया** : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री कचौरा घाट तथा बटेश्वर में यमुना नदी पर पुलों के निर्माण के बारे में 16 अप्रैल, 1973 के तारांकित प्रश्न सं० 730 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में आगरा जिले की तहसील बाह में कचौरा घाट तथा बटेश्वर (नौरंगी घाट) में यमुना नदी पर पक्के पुलों का निर्माण किये जाने की कोई योजना है ;

(ख) क्या उक्त क्षेत्र के पिछडेपन को ध्यान में रखते हुए डाकू उन्मूलन योजना के अन्तर्गत एक विशिष्ट कार्यक्रम के रुप में इन पुलों के निर्माण के लिये राज्य सरकार को विशेष केन्द्रीय सहायता देने का प्रस्ताव है ; और

(ग) यदि हां, तो उस की रुपरेखा क्या है ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) चूंकि ये पुल राज्य सड़क पर हैं, इन के निर्माण का मामला मुख्यत: राज्य सरकार से संबंधित है ।

(ख) राज्य सरकार से ऐसा कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है, जिसने उन्हें अपनी योजनाओं में शामिल नहीं किया है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : 16 अप्रैल, 1973 को परिवहन मंत्री श्री राज बहादुर जी ने लोक सभा में यह स्वीकार किया था और आश्वासन दिया था कि कचौरा घाट तथा बटेश्वर में पुलों की आवश्यकता है और उन्होंने यह कहा था कि वह राज्य सरकार को लिख रहे हैं । क्या उन्होंने राज्य सरकार को इन पुलों के बारे में लिखा, यदि हां तो राज्य सरकार ने उस समय क्या कार्रवाई की थी ? इन पुलों के निर्माण कार्य को पांचवीं योजना में शामिल किया जाएगा या नहीं ? उत्तरी भारत का सब से बड़ा पशु मेला बटेश्वर में लगता है और समाज का बहुत ही पिछड़ा हुआ वह एक इलाका है ।

श्री मोरारजी देसाई : माननीय सदस्य ने जो बात कही है वह ठीक है । लेकिन राज्य सरकार न माने तो मैं क्या करूं ।

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : श्रीमन् मैं आपके माध्यम से परिवहन मंत्री और प्रधान मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि आगरा से लेकर इटावा और ऊरई तक का क्षेत्र देश का सब से पिछड़ा अंग है और दस्यु राज्यों के करीब है । वहां पर मान सिंह और दूसरे डाकुओं की घटनाओं से सब लोग परिचित हैं ।